



राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2023

प्रलिस के ललल:

[सतत वकलस लकष्य](#), [बहुआयामी गरीबी सूचकांक \(MPI\)](#), [राष्ट्रीय परवलर स्वासथ्य सरवेकषण](#), [स्वासथ्य](#), [नीतलआयोग](#)

मेन्स के ललल:

सतत वकलस लकष्यों को परलप्त करने में बहुआयामी गरीबी उनमूलन का महत्त्व ।

परसंग

हलल ही में [नीतलआयोग](#) ने [राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक \(MPI\): एक परगतल समीकषल 2023](#) जलरी की ।

यह सूचकांक एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो देश को [सतत वकलस लकष्यों \(Sustainable Development Goals- SDG\)](#), वशलष रूप से **SDG लकष्य 1.2**, की दशल में अपनी परगतलको टरेक करने में सकषम बनाता है, जसलका उद्देश्य अपने सभी आयामों में गरीबी को कम करना है ।

- [राष्ट्रीय परवलर स्वासथ्य सरवेकषण](#) (National Family Health Survey- NFHS) का उपयोग करते हुए, यह रपलरट भारत के वर्ष 2019-21 MPI परणलमों के अलवल वरष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में कमी की परगतलको दरशलती है ।

नोट:

- नीतलआयोग ने 2021 में भारत के ललल **पहली बार MPI (NFHS 4 पर आधारलतल) जलरी करके** एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया । इस पहल का उद्देश्य वयापक गरीबी उनमूलन परयासों के महत्त्व को रेखलंकतल करते हुए वशलव सतर पर स्वीकृत सूचकांकों में भारत की स्थतलतल में सुधलर करना है ।

वैश्वकल बहुआयामी गरीबी सूचकांक कया है?

- **परचलल:**
 - वैश्वकल MPI, स्वासथ्य, शकलषल और जीवन सतर में वयापत अलवलों को पकडता है । यह आय गरीबी माप को पूरक करता है कयोंकल यह सीधे अलवलों को मापता है और तुलना करता है ।
 - यह "परत्यकष रूप से कसलसी वयकतके जीवन और कलयाण को परलवलतल करने वलले स्वासथ्य, शकलषल एवं जीवन सतर के परस्पर संबधतल अलवलों को मापता है" ।
 - वैश्वकल MPI रपलरट **ऑक्सफोर्ड नरलधनता और मानव वकलस पहल (OPHI) और संयुक्त राष्ट्र वकलस कर्यकरम (UNDP) द्वारा संयुक्त रूप से परकलशलतल की जलती है ।**
- **2030 एजेंडल:**
 - **सतत वकलस** और सामलजकल कलयाण के आरथकल, परयावरणीय एवं **सामलजकल पहलुओं से संबधतल 17 SDG** को संबधतल करता है तथल **"कसलसी को भी पीछे न छोडने (Leaving No One Behind)"** के मूल सदलधलतल पर केंदरतल है ।

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक कया है?

- **परचलल:**
 - नीतलआयोग, MPI के ललल नोडल एजेंसी के रूप में, बहुआयामी गरीबी को संबधतल करने में रलज्यों और केंदरशलसतल परदेशों के परदरशन की नगरलनी हेतु एक **स्वदेशी सूचकांक** के नरलमाण के ललल ज़मलमेदार है ।
 - इसे संस्थागत बनाने के ललल नीतलआयोग ने एक **अंतर-मंत्रललथी MPI समनव्य समतलतल (MPICC)** का गठन कलया, जसलमें स्वासथ्य,

शिक्षा, पोषण, ग्रामीण विकास, पेयजल, स्वच्छता, बजिली और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों से संबंधित मंत्रालय और विभाग शामिल थे। .

■ MPI समन्वय समिति(MPICC):

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के NFHS - अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (IIPS) के सर्वेक्षण कार्यान्वयनकर्ताओं जैसे अन्य लोगों के समर्थन वाली समिति, राष्ट्रीय MPI विकसित करने तथा इसकी तकनीकी कठोरता एवं मज़बूती सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है।
- इसमें सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MPICC) के विशेषज्ञ एवं तकनीकी भागीदार - OPHI व UNDP भी शामिल थे। MPICC की संरचना सूचकांक के भीतर संकेतकों और उप-संकेतकों की बहुआयामी प्रकृति से ली गई है।
 - इससे परिवारों के स्तर पर उपलब्धियों में सुधार के लिये आवश्यक नीतियों और हस्तक्षेपों पर अंतर-क्षेत्रीय दृष्टिकोण सामने आया।

■ नरिधनता मापन का इतिहास:

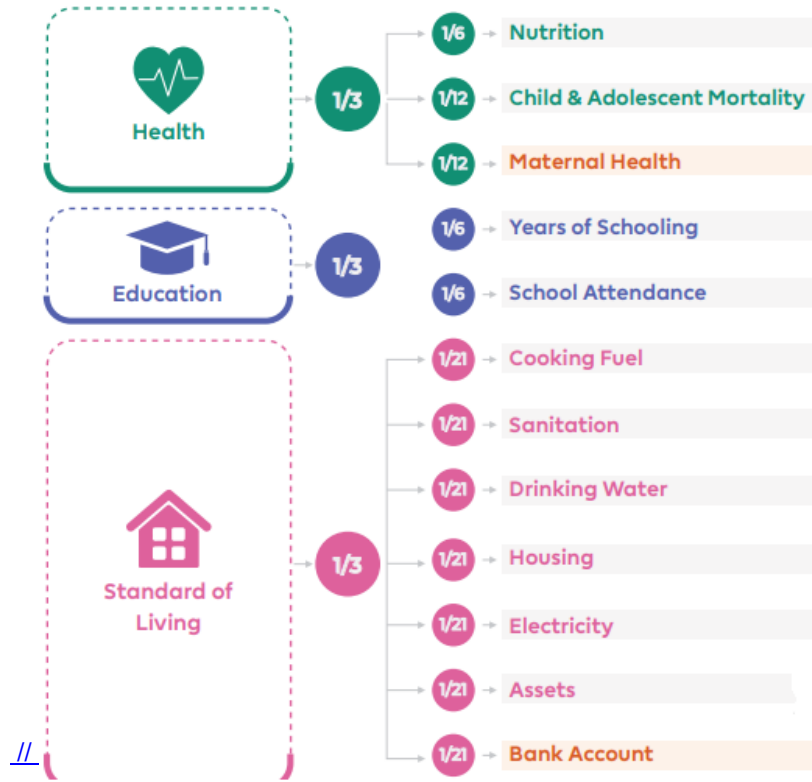
- वर्ष 1901 में दादाभाई नौरोजी की पुस्तक 'पॉवर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' ने नरिवाह आहार की लागत के आधार पर नरिधनता का अनुमान लगाने के शुरुआती प्रयासों को चिह्नित किया।
- इसके बाद वर्ष 1938 में राष्ट्रीय योजना समिति और वर्ष 1944 में बॉम्बे प्लान के लेखकों ने न्यूनतम जीवन स्तर के आधार पर नरिधनता का अनुमान प्रस्तावित किया।
- स्वतंत्रता के बाद भी नरिधनता के आकलन का महत्त्व बना रहा और विभिन्न विशेषज्ञ समूहों ने इस मुद्दे पर कार्य किया।
- शुरुआती प्रयासों में वर्ष 1962 में वर्कगि गुरुप, वर्ष 1971 में दांडेकर और रथ तथा वर्ष 1979 में डॉ. वाई. के. अलघ के नेतृत्व में "न्यूनतम आवश्यकताओं एवं प्रभावी उपभोग मांग के अनुमान" पर टास्क फोर्स शामिल थे।
- इसके बाद लकड़ावाला (1993), तेंदुलकर (2009) और रंगराजन (2014) की अध्यक्षता वाले विशेषज्ञ समूहों ने उपभोग तथा व्यय सर्वेक्षणों के आधार पर मौद्रिक नरिधनता का आकलन करने की इस कवायद को जारी रखा।

राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के आयाम क्या हैं?

■ आयाम:

- वैश्विक MPI की तरह, भारत के राष्ट्रीय MPI के तीन समान महत्त्व वाले आयाम हैं: स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर, जो 12 संकेतकों द्वारा दर्शाए जाते हैं।
- राष्ट्रीय MPI के उप-सूचकांक:
 - हेडकाउंट अनुपात (H): कतिने नरिधन हैं?
 - जनसंख्या में बहुआयामी नरिधनों का अनुपात, जो कुल जनसंख्या से बहुआयामी नरिधन व्यक्तियों की संख्या को विभाजित करके निकाला जाता है।
 - नरिधनता की तीव्रता (A): गरीब कतिने नरिधन हैं?
 - अभावों का औसत अनुपात बहुआयामी नरिधन व्यक्तियों द्वारा अनुभव किया जाता है। तीव्रता की गणना करने के लिये सभी नरिधन लोगों के भारत अभाव सूचकांक को जोड़ा जाता है और फिर उसे नरिधनों की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है।
 - MPI हेडकाउंट अनुपात (H) और नरिधनता की तीव्रता (A) को गुणा करके निकाला जाता है, जो गरीबी में लोगों की हस्सेदारी तथा उनके वंचित होने की स्थिति दोनों को दर्शाता है।
 - $MPI = H \times A$

Indicators and their weights



रिपोर्ट की मुख्य बातें क्या हैं?



Highlights: MPI Progress Report 2023

Steep decline in Poverty Headcount Ratio



135 million (13.5 crore)

people exited multidimensional poverty between 2015-16 and 2019-21



India on track to achieve **SDG Target 1.2** (reducing multi-dimensional poverty by at least half) much ahead of 2030

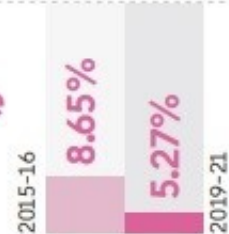
All **12** indicators have shown improvement

suggesting that impact of Government interventions is increasingly visible on ground

Fastest decline in percentage of multidimensional poor in rural areas from



Reduction in the incidence of poverty in urban areas



The **Intensity of poverty**, which measures the average deprivation among the people living in multidimensional poverty improved from about



UP, Bihar, MP, Odisha and Rajasthan recorded steepest decline in number of **MPI poor**



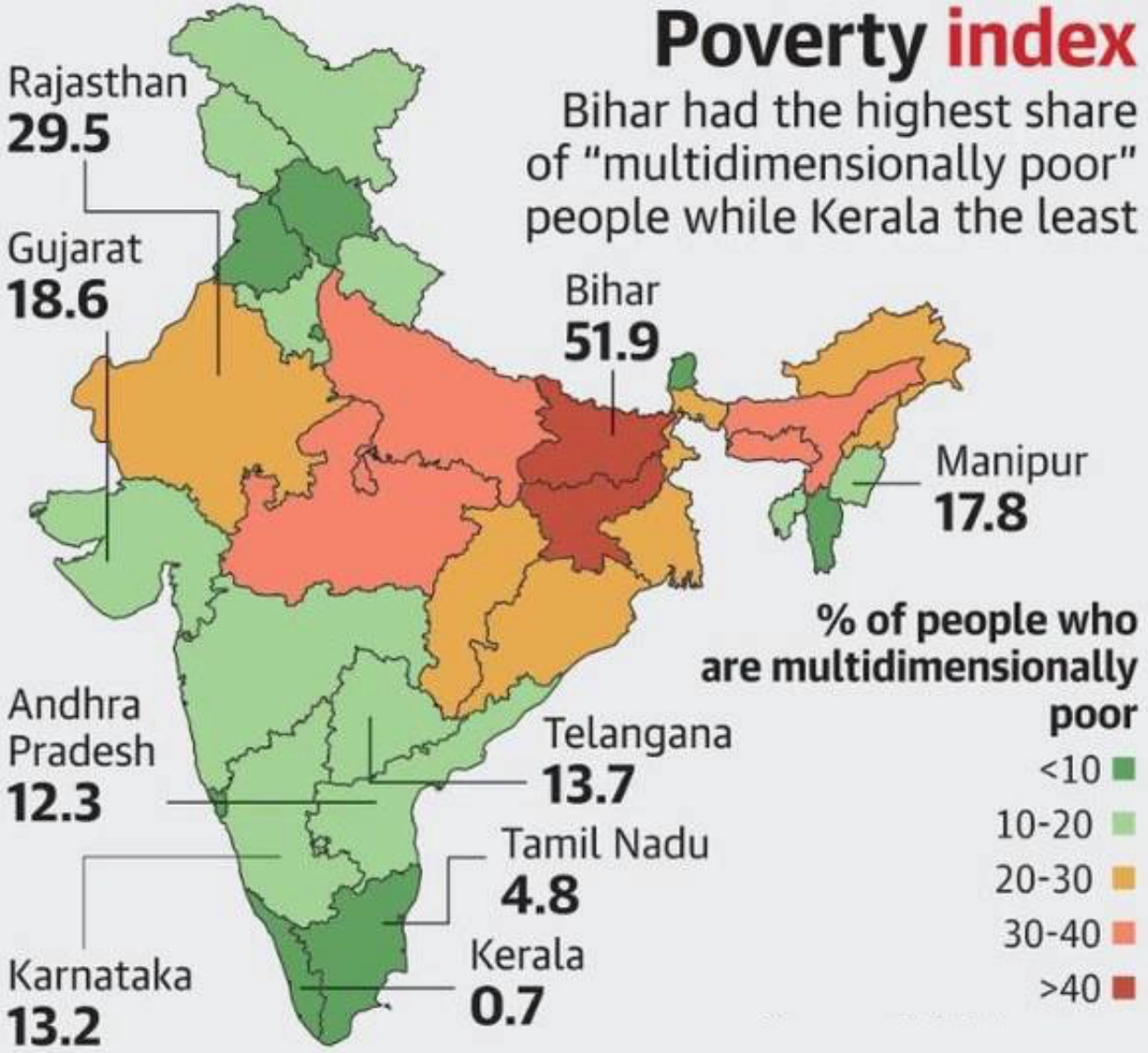
Improvement in **nutrition, years of schooling, sanitation, and cooking fuel** played a significant role in reducing the MPI value

मुख्य परिणाम - नरिधनता में बड़ी गरिावट:

- भारत ने वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच अपने MPI मूल्य तथा हेडकाउंट अनुपात में उल्लेखनीय कमी हासिल की है, जो अपने बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण के माध्यम से नरिधनता की बहुआयामी प्रकृति को संबोधित करने के लिये देश की प्रतबिद्धता एवं कार्रवाई की सफलता का संकेत देता है।
 - उत्तर प्रदेश (UP), बिहार, मध्य प्रदेश (MP), ओडिशा और राजस्थान में MPI नरिधनों की संख्या में सर्वाधिक गरिावट दर्ज की गई।
- पोषण में सुधार, स्कूली शिक्षा के वर्षों, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन ने MPI मूल्य को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका नभाई।
- MPI का अनुमान वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच भारत के राष्ट्रीय MPI मूल्य के लगभग आधे होने तथा बहुआयामी नरिधनता में जनसंख्या के अनुपात में 24.85% से 14.96% की गरिावट को उजागर करता है।
- बहुआयामी नरिधनता में 9.89% की कमी यह दर्शाती है कि वर्ष 2021 में अनुमानित जनसंख्या के स्तर पर वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच लगभग 135.5 मिलियन व्यक्ति नरिधनता का शिकार होने से बच गए हैं।
 - यह SDG लक्ष्य 1.2 को प्राप्त करने में एक बड़ा योगदान है।
 - यह इंगति करता है कि भारत वर्ष 2030 से काफी पहले SDG लक्ष्य 1.2 प्राप्त करने की राह पर है। साथ ही नरिधनता की तीव्रता, जो बहुआयामी नरिधनता में रहने वाले लोगों के बीच औसत अभाव को मापती है, भी 47.14% से घटकर 44.39% हो गई है।

Poverty index

Bihar had the highest share of "multidimensionally poor" people while Kerala the least



■ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में असमानताएँ:

- हालाँकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बहुआयामी नरिधनता में असमानताएँ अभी भी मौजूद हैं, वर्ष 2019-21 में बहुआयामी नरिधनों का अनुपात शहरी क्षेत्रों में 5.27% की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में 19.28% होने के कारण, MPI मूल्य में कमी पूर्ण रूप से नरिधनों की समर्थक रही है।
- अनुमान बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में उनके MPI मूल्य में तेज़ी से कमी देखी गई। वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच शहरी क्षेत्रों में 8.65% से घटकर 5.27% की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में नरिधनता 32.59% से घटकर 19.28% रह गई।

■ MPI में तीव्र कमी (राज्यवार):

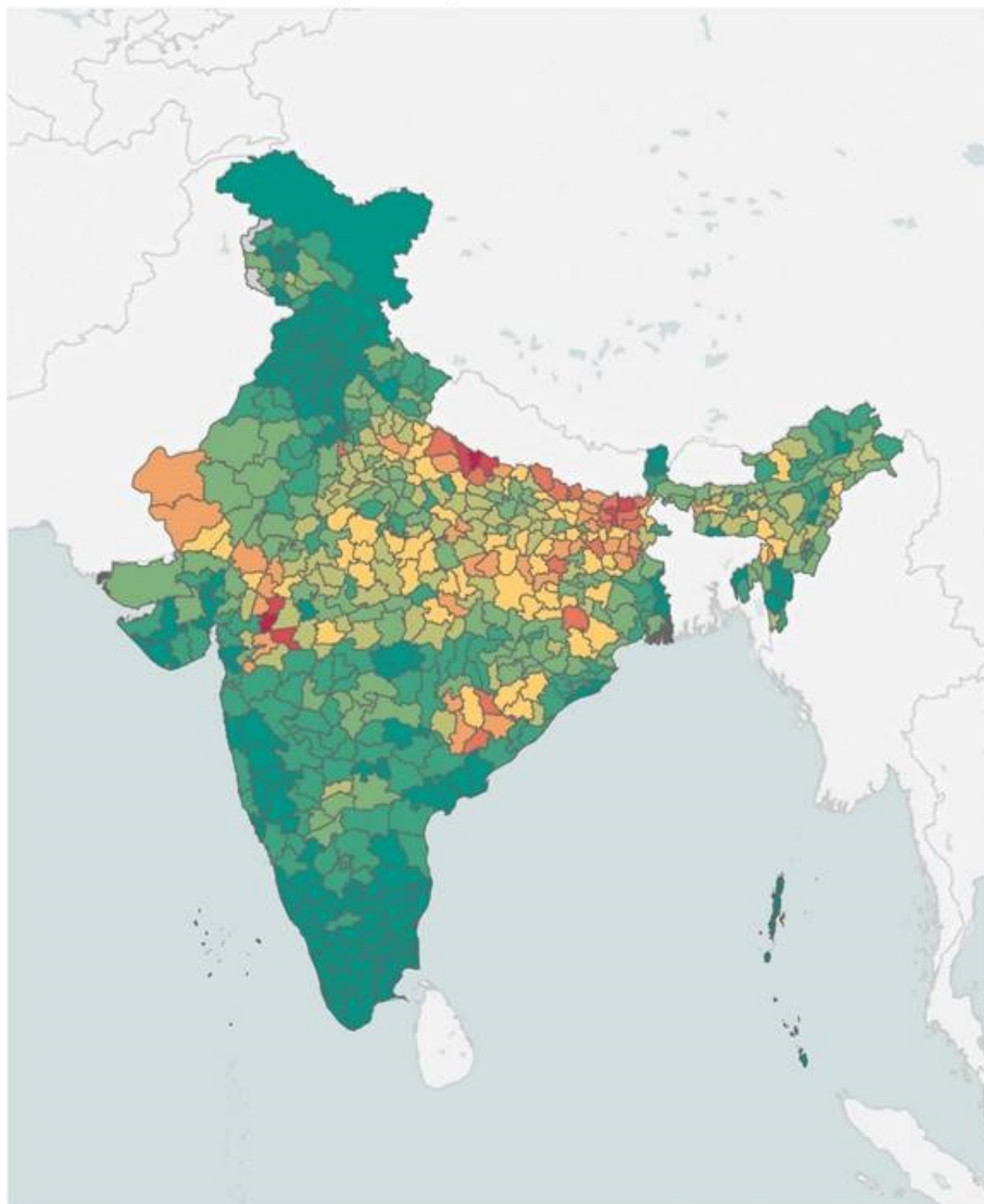
- MPI नरिधनों की संख्या के मामले में पछिले पाँच वर्षों में 3.43 करोड़ लोगों के बहुआयामी नरिधनता से बाहर निकलने के साथ UP शीर्ष पर है, इसके बाद बहिर (2.25 करोड़) और मध्य प्रदेश (1.36 करोड़) आते हैं।
- बहिर- NFHS-4 (2015-16), उच्चतम MPI मूल्य वाले राज्य में UP और MP के साथ MPI मूल्य में तीव्र कमी देखी गई।

■ MPI सकोर में ज़िलों का तुलनात्मक प्रदर्शन:

- MPI की एक महत्वपूर्ण विशेषता ज़िला स्तर पर अनुमान प्रदान करने की इसकी क्षमता है।
- अलग-अलग अनुमानों से पता चलता है कि बहुआयामी नरिधन व्यक्तियों के अनुपात में सबसे तेज़ी से कमी मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों के भीतर स्थिति ज़िलों में आयी है।

India: Districts

Multidimensional Poverty Index Score (District-wise)



Districts of Jammu and Kashmir, and Ladakh are as per the Political Map of India 10th Edition (Survey of India). Other districts are as per the Census of India, 2011. The colour represents the MPI score of a district. The colour moves from green, through yellow, to red as the MPI score increases. Green represents areas with the lowest MPI scores while red represents areas with the highest MPI scores. The legend provides the range of MPI scores represented by a colour. Regions with no data are shown in grey.

■ अभावों की संकेतक-वार तुलना:

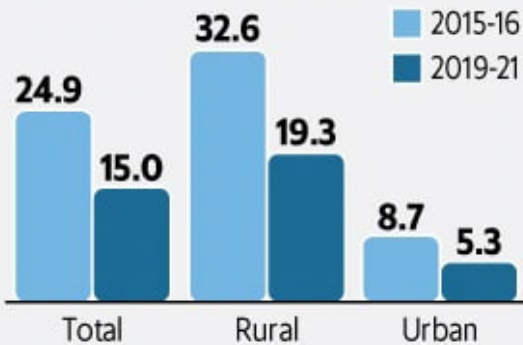
- तीन आयामों - स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर - के सभी 12 संकेतकों में दो समयावधियों में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण कमी देखी गई।
- वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-21 की अवधि के दौरान स्वच्छता में कमी (21.8% अंक की कमी) और खाना पकाने के ईंधन (14.6% अंक की कमी) में सर्वाधिक गिरावट आई।

◦ कुल मिलाकर, पोषण में प्रगति, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन के MPI मूल्य में गरिवट में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

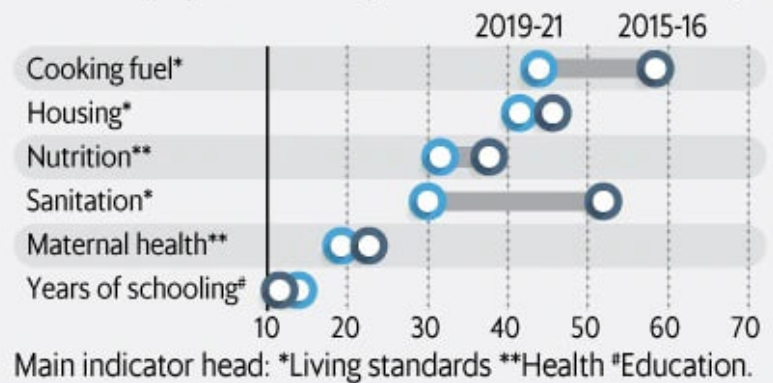
CHANGING FORTUNES

Around 24.9% of Indians were assessed as multidimensionally poor in 2015-16, but that share came down to 15% in 2019-21.

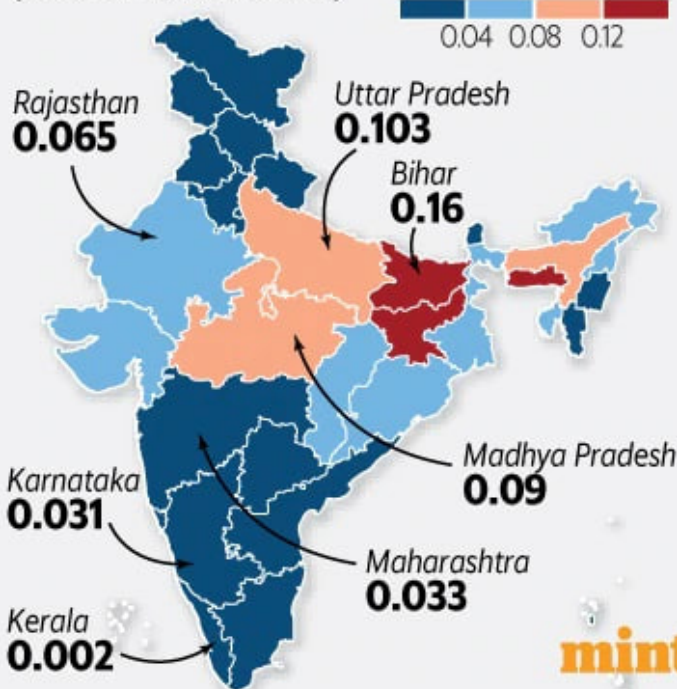
Share of multidimensionally poor persons in population (in %)



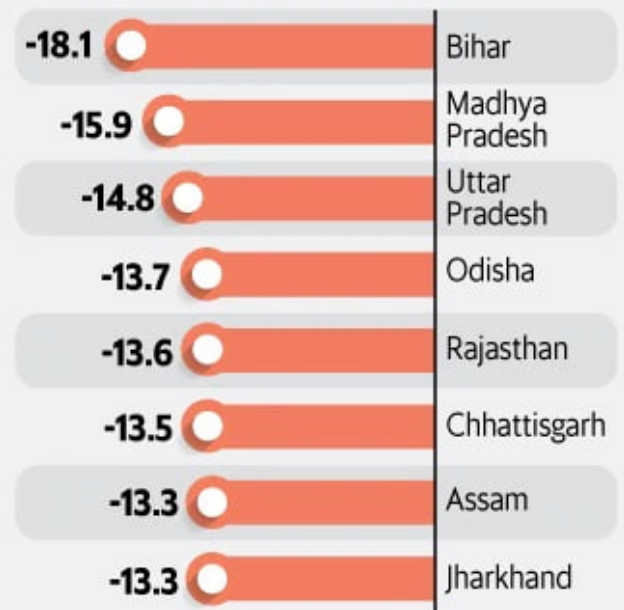
Biggest areas of 'deprivation' (figures denote % share of population 'deprived' in each indicator)



Multidimensional poverty index (scale: 0-1) (the lower, the better)



Biggest drops in share of multidimensionally poor population (percentage points)



A multidimensionally poor person is one who is at least 33.3% deprived overall (this is based on 12 indicators, all of which has a different weightage). Headcount ratio is the share of multidimensionally poor persons in population. Intensity refers to the average extent of deprivation among such persons (hence always >33.3%). The MPI value is headcount multiplied by intensity.

Source: Niti Aayog

MPI में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण का महत्त्व:

■ वैश्विक MPI:

- वैश्विक MPI का निर्माण उन देशों में जनसांख्यिकी और स्वास्थ्य सर्वेक्षण (Demographic and Health Surveys- DHS) का उपयोग करके किया जाता है जहाँ यह उपलब्ध है।
 - DHS संकेतकों के डेटा संग्रह के लिये एक मानकीकृत सर्वेक्षण पद्धति और दिशानिर्देशों का पालन करता है जो MPI के संकेतकों की देशों के बीच तुलना की अनुमति देता है।
 - यह भौगोलिक दृष्टि से या जनसंख्या उप-समूहों द्वारा कई स्तरों पर पृथक्करण की भी अनुमति देता है।

■ राष्ट्रीय MPI:

- भारत के लिये DHS NFHS है, जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के तत्वावधान में IIPS द्वारा संचालित किया जाता है।
- राष्ट्रीय MPI का नवीनतम पुनरावृत्ति वर्ष 2019-21 तक आयोजित NFHS-5 पर आधारित है और वर्ष 2015-16 तक आयोजित NFHS-4 के डेटा का उपयोग करके गणना की गई राष्ट्रीय MPI के आधारभूत आँकड़ों के साथ तुलनीय है।
 - दोनों सर्वेक्षणों के आँकड़े राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर प्रतिनिधि हैं। NFHS-4 ज़िला स्तर तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिये प्रतिनिधि डेटा प्रदान करता है, जबकि NFHS-5 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्तर तक शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिये प्रतिनिधि डेटा प्रदान करता है।

MPI Progress Report 2023 (Between NFHS-4 and 5)

Steep decline in Poverty Headcount Ratio

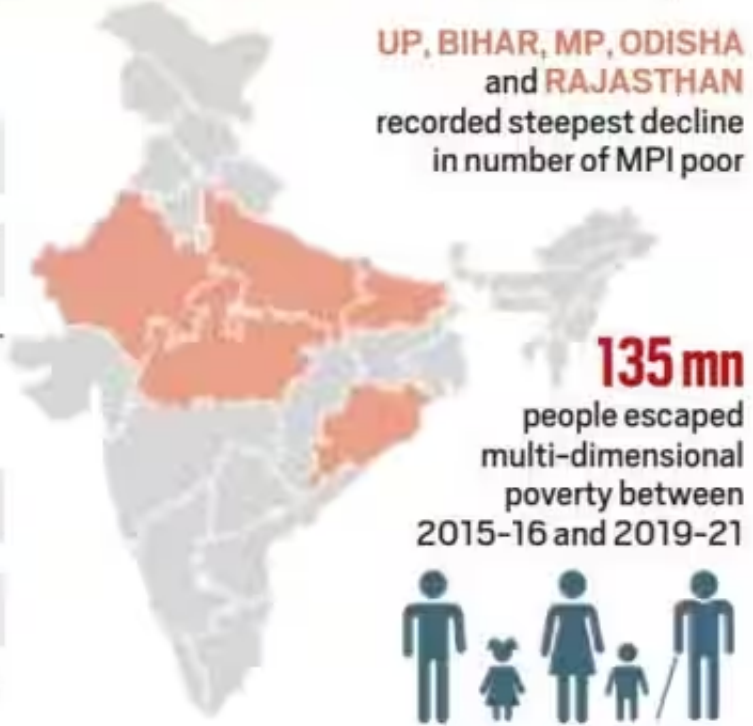


Reduction in the incidence of poverty in urban areas



Source: National Multidimensional Poverty Index: A Progress Review 2023

UP, BIHAR, MP, ODISHA and RAJASTHAN recorded steepest decline in number of MPI poor



नीतिआयोग की रपिोर्ट का नतीजा क्या है?

■ राष्ट्रीय MPI:

- रपिोर्ट नरिधनता के कई आयामों को समझने, मापने और संबोधित करने तथा नीतिनिर्माण में एक प्रमुख उपकरण के रूप में इस ज्ञप्ति का लाभ उठाने के लिये सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

■ बेसलाइन रपिोर्ट:

- राष्ट्रीय MPI की बेसलाइन रपिोर्ट राज्य सरकारों, शकिषाविर्दों, नागरकि समाज और नागरकिों के बीच बहुआयामी नरिधनता उपायों के उपयोग के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण रही है।

■ मंत्रालय/वभिग:

- वभिनिन मंत्रालयों/वभिगों ने अपनी प्राथमकिताओं और वकिासी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कार्य योजनाएँ तैयार की हैं। पोषण, वतितीय समावेशन, शकिषा, ग्रामीण वकिास और आवास जैसे 16 सुधार क्षेत्रों में 50 से अधिक सुधार कार्यों की पहचान की गई है।

■ राज्यों के साथ सहयोग:

- मंत्रालयों ने इन सुधारों को लागू करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2015-16 और वर्ष 2019-21 के बीच राष्ट्रीय MPI पर भारत की शानदार प्रगतिलोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिये सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- यह राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर लागू की गई लक्ष्य नीतियों, योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से संभव हुआ।
- **नविश:**
 - शिक्षा, पोषण, जल, स्वच्छता, रसोई गैस की उपलब्धता, बजिली व आवास के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में नविश पर सरकार के फोकस ने इन सकारात्मक परिणामों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।
- **सभी स्तरों तक पहुँच:**
 - राष्ट्रीय MPI के दूसरे संस्करण के नषिकर्ष राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिये ज़िला स्तर तक कार्यों की पहचान करने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिये एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करेंगे।
 - यह उन्हें संवेदनशील हॉटस्पॉट एवं विशेष क्षेत्रों के विकास की नगिरानी करने में भी सक्षम बनाएगा जिन्हें अधिक केंद्रित नीतित हस्तक्षेप व कार्यक्रम संबंधी कार्रवाई की आवश्यकता है।
- इस रपॉर्ट में प्रस्तुत उल्लेखनीय प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाली प्रमुख सरकारी योजनाएँ हैं:
 - [स्वच्छ भारत मिशन \(SBM\)](#)
 - [जल जीवन मिशन \(JJM\)](#)
 - [पोषण अभियान](#)
 - [समग्र शिक्षा](#)
 - [प्रधानमंत्री सहज बजिली हर घर योजना \(सौभाग्य\)](#)
 - [प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना \(PMUY\)](#)
 - [प्रधानमंत्री जन-धन योजना \(PMJDY\)](#)
 - [प्रधानमंत्री आवास योजना \(PMAY\)](#)

बहुआयामी नरिधनता को कम करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

- **राज्य सहायता मिशन (SSM):**
 - यह नीतिआयोग की एक व्यापक पहल है जिसका उद्देश्य राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के साथ अपने नरितर सहयोग को फरि से सशक्त करना है। इस मिशन के तहत, नीतिआयोग राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को क्षमता नरिमाण एवं **इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (SIT)** स्थापति करने में सहायता करता है।
 - SSM, SDG स्थानीयकरण प्रयासों को सशक्त करने की सुवधि प्रदान करेगा जिसके परिणामस्वरूप बहुआयामी नरिधनता में कमी लाने में मदद मिलेगी।
- **प्रोग्रेस डैशबोर्ड:**
 - नीतिआयोग के तहत संबद्ध कार्यालय, **विकास नगिरानी और मूल्यांकन संगठन (DMEO)** द्वारा कार्यान्वयन प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक ट्रैक करने के लिये MPI जैसे वशिष्ट वैश्विक सूचकांकों की नगिरानी की सुवधि के लिये एक डैशबोर्ड वकिसति किया गया है।
 - यह डैशबोर्ड बहुआयामी नरिधनता में कमी के परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से **राज्य के नेतृत्व वाले सुधारों की प्रगति को ट्रैक कर सकता है।**
 - राष्ट्रीय MPI के इस संस्करण का डेटा राज्यों को डैशबोर्ड पर भी उपलब्ध कराया जाएगा ताकि विभिन्न संकेतकों में **बहुआयामी नरिधनता की नगिरानी** की जा सके।